केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 269 शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बस्ती में साक्षी चौधरी 96.50: अंक पाकर बनीं जिला टॉपर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के परीक्षा परिणाम में बस्ती की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया। साक्षी चौधरी ने 96.50: अंक हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया।

दीनदयाल चौधरी राष्ट्रीय हाई स्कूल, रुधौली दयालगंज की छात्रा साक्षी चौधरी ने 600 में से 579 अंक (96.50:) प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय और परिवार में खुशी का माहौल है।

दूसरे स्थान पर श्री एसबीएसपीडीएमबी स्कूल, दुबौलिया की छात्रा दीपा राजभर रहीं, जिन्होंने 567ध्600 अंक (96:) प्राप्त किए। वहीं तीसरे स्थान पर दीनानाथ चौधरी राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज, रुधौली दयानगर की छात्रा अंकिता यादव ने 574ध्600 अंक (95.67:) हासिल किए। टॉप–3 में सभी स्थानों पर छात्राओं की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियां भी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्राओं की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं सफल छात्राओं ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता–पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। छात्राओं का कहना है कि नियमित पढ़ाई, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास ही उनकी सफलता के मुख्य आधार रहे। यह परिणाम जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

खातों से रकम गायब, सीएसपी संचालक समेत दो पर केस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के पैकोलिया थाना क्षेत्र में खाताधारकों के साथ कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर एक सीएसपी (ग्राहक सेवा केंद्र) संचालक सहित दो लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रतनपुर खास (मुलायमगंज) स्थित एसबीआई के सीएसपी संचालक जवाहरलाल पुत्र बदरी निवासी औरातौन्दा के यहां कई ग्रामीणों ने अपने खाते खुलवाए थे। आरोप है कि इन खाताधारकों की जानकारी के बिना उनके खातों से धनराशि निकाल ली गई। एक प्रार्थी ने बताया कि जब खातों का मिलान किया गया, तो कई लोगों के खातों से रकम गायब मिली, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस संबंध में मुईली थाना पैकोलिया निवासी सुबाष पुत्र महेश ने भी शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर जवाहरलाल पुत्र बदरी और दिवाकर विक्रम पुत्र जवाहरलाल निवासीगण औरातौन्दा के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पैकोलिया थाना पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस खातों के लेन–देन का विवरण खंगाल रही है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 9 मई को जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए सचिव (पूर्ण कालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार–प्रथम ने बताया है कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जायेंगा।

पश्चिम बंगाल में 91.40, तमिलनाडु में 84.35 प्रतिशत का भारी मतदान

नई दिल्ली (आभा)। साल 2026 के चुनाव में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग हुई है। निर्वाचन आयोग के आधिकारिक मोबाइल एप्लिकेशन– वोटर टर्नआउट एप पर रात आठ बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक बंगाल में 92 फीसदी से अधिक, जबकि तमिलनाडु में 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया है।

बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

पहले चरण के मतदान में पश्चिम बंगाल में 91.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। वहीं, वहीं तमिलनाडु में भी 84.35 प्रतिशत वोटिंग हुई है। निर्वाचन आयोग की तरफ से अंतिम और आधिकारिक आंकड़े जारी होने के बाद मतदान प्रतिशत बढ़ सकते हैं। तमिलनाडु में 2011 का रिकॉर्ड टूटा है।

बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार का सूरज डूब चुका है।`

बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता परेशान उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ.प्र. जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, व्यापारियों ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम और द्वितीय को ज्ञापन सौंपा। 4 सूत्रीय ज्ञापन में मांग किया कि स्मार्ट मीटर व प्रीपेड़ मीटर बिल की अनियमितताये और सिक्योरिटी एडजेस्टमेन्ट के सम्बन्ध में आ रही शिकायतों का समाधान कराया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि

1. सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर एवं प्रीपेड मीटर को रोकने का जो आदेश सरकार ने दिया है, उसका अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय, प्रीपेड व स्मार्ट मीटर पर जो अभी तक बिल आयी है, उसको नियमित रूप से ठीक कराया जाय। जिससे उपभोक्ता व व्यापारी उत्पीड़ित न हों, प्रीपेड व स्मार्ट मीटर जिन जगहों पर लग चुके है, उनके समस्या का तत्काल निराकरण कराने के साथ ही जिन जगहो पर स्मार्ट मीटर लग गये है, उनको पोस्टपेड कर दिया जाय।

ज्ञापन देने के बाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ.प्र. जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर व्यवस्था को वापस कराया जाय। उपभोक्ता स्मार्ट मीटर के गलत बिलों से परेशान है। विभाग जब चाहे बिना सूचना के लाइन काट दी जाती है। इसे सुधारा जाय अन्यथा परेशान नागरिक, व्यापारी आन्दोलन को बाध्य होंगे। कहा कि स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगा दिये जांय।

अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम और द्वितीय को ज्ञापन सौंपने के दौरान उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के सौरभ श्रीवास्तव, इरफान खान, सोनू, शुभम गुप्ता, अभिषेक वर्मा, फरोज रवान के साथ ही अनेक व्यापारी, नागरिक शामिल रहे।

भाजपा की महिला नेताओं ने फूंका विरोधी दलों का पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को भाजपा द्वारा "जन आक्रोश महिला सम्मेलन" का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं भाजपा पदाधिकारियों ने सहभागिता कर नारी शक्ति का सशक्त प्रदर्शन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा नेत्री चन्दा देवी श्रीवास्तव ने की, जबकि अभियान संयोजिका के रूप में जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

सम्मेलन के उपरांत महिलाओं ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर कांग्रेस, सपा सहित विरोधी दलों का पुतला दहन किया और जोरदार नारेबाजी के माध्यम से अपना आक्रोश व्यक्त किया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के निर्देशानुसार आगामी दिनों में सभी मंडलों में "मंडल जन आक्रोश मार्च" आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शिवानी सिंह, संध्या दीक्षित, सविता तिवारी, मीना पाण्डेय, मंजू श्रीवास्तव एवं मृदुला शुक्ल ने महिलाओं से संगठित होकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

अभियान संयोजिका शालिनी मिश्रा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं, लेकिन विपक्ष का विरोध यह दर्शाता है कि वे महिलाओं के मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार महिलाओं को सदन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है, जबकि विपक्ष परिवारवाद में उलझा हुआ है।

अध्यक्षता करते हुए चन्दा देवी श्रीवास्तव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम (33 प्रतिशत महिला आरक्षण) के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की और कहा कि जब तक महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक यह जन आक्रोश निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कांग्रेस व सपा पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल परिवारवाद को बढ़ावा देते हैं।

ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का एक सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर बबिता सुषमा चौधरी, मीरा त्रिपाठी, निर्मला श्रीवास्तव, गौतम, सुन्दरी, सुधा, कविता, निर्मला, राजकुमारी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

नगर पंचायत नगर बोर्ड की बैठक मे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को परिसीमन के साथ लागू कर आधी आबादी को अधिकार दिए जाने का प्रस्ताव पारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना की अध्यक्षता में आयोजित नगर पंचायत नगर बोर्ड की बैठक मे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को परिसीमन के साथ लागू कर आधी आबादी को अधिकार दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। बनकटी के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, भाजपा नेता रघुनाथ सिंह के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित सभासद राम चंद्र सोनकर,भानु प्रताप रावत और प्रदीप निषाद प्रथम आगमन पर बैठक में पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। श्रीमती राना ने कहा कि आदर्श नगर पंचायत अपनी संस्कृतिक विरासत को संजोते हुए सेवा और विकास की परम्परा के कीर्तिमान गढ़ने की ओर निरन्तर अग्रसर है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प के दृढ़ संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री ए के शर्मा के नेतृत्व में विकास योजनाओं को संचालित जा रहा है। नगर को देश के नक्शे पर स्थान दिलाने के लिए हम सभी संकल्प बद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सभी 15 वार्डों में जन सामान्य की

मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया गया है।

श्रीमती राना ने बताया कि मुख्यमंत्री नवसृजन योजना, मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना, पंडित दीन दयाल नगर विकास योजना, आकांक्षी योजना, वंदन योजना, राज्य वित्त, अमृत 2,0 योजना, नगरीय झील पोखर तालाब योजना, सीवरेज एवं जल निकासी योजना, राज्य सेक्टर पेय जल योजना,सूडा योजना में लगभग 50 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना लिए 2000 लाभार्थियों का प्रस्ताव भेजा जाएगा। नगर बाजार को सोलर नगर बनाने, महापुरुषों की स्मृति में स्वागत द्वार बनाने एवं योजनाओं को महापुरुषों के नाम पर संचालित किया जाएगा। एक बड़े पार्क, इनडोर स्टेडियम, अग्नि शमन केन्द्र बनाने का प्रस्ताव पुनः शासन को भेजा जाएगा तथा नगर बाजार स्थित मंडी स्थल के जीर्णोद्धार एवं पुनरुद्धार का प्रस्ताव भेजा जाएगा। नगर पंचायत को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीपीपी मॉडल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। नगर पंचायत की सभी खाली जमीनों की पैमाईश कराकर उन्हें सुरक्षित करने के लिए अस्थाई चारदीवारी निर्माण कराया जाएगा। सभी शौचालय को स्वच्छ बनाए रखने की योजना की मॉनिटरिंग जाए तथा गर्मियों को देखते हुए सभी वॉटर कूलर निर्बाध रूप से चलती रहनी चाहिए। निराश्रित विधवा, दिव्यांग और वृद्ध जनों को चिन्हित कर पेंशन के लिए टीम गठित कर सभी को लाभ दिलाने की व्यवस्था की जाएगी। परिषदीय स्कूलों में चोरी की घटनाओं को देखते हुए उनकी चारदीवारी ऊंची कर लोहे का भाला लगाने का कार्य किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि छुट्टा जानवरों को पकड़ने के लिए अवस्थापना निधि से कैटल कैचर क्रय किया जाएगा। नगर जूनियर हाईस्कूल में डिजिटल लाइब्रेरी तथा नक्षत्र शाला बनकर तैयार है जिसको शीघ्र विद्यार्थियों के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। सभी मोहल्लों में लटकते तार, जर्जर खंभे , ट्रांसफर क्षमता वृद्धि के लिए बिजली विभाग को पुनः लिखा जाएगा। रात्रि कालीन बिजली दिक्कतों के लिए बिजली कर्मी के नाम और मोबाइल नंबर बिजली विभाग से बात कर सार्वजनिक किया जाएगा। वार्डों में आस्था के केंद्र बिहौती कुओं का जीर्णोधार कराया जाएगा। नगर पंचायत के सभी निष्प्रयोज्य पड़े भवनों को सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाकर तैयार किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर जनहित के कार्यों में सहयोग के लिए बैंकों को पत्र लिखकर अनुरोध किया जाएगा। एक निःशुल्क शव वाहन उपलब्ध कराने के लिए बड़ी सार्वजनिक कंपनियों एवं उपक्रमों के सी० एस० आर० फंड के लिए अनुरोध किया जाएगा। बैठक में सभासद राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, अखिलेश यादव, सत्यराम निषाद, राम सजन यादव, विजय साहनी, सबीना परवीन, रंजना देवी, सोनी सोनकर, किरन राजभर ,संदीप कुमार, वीरेन्द्र कुमार ने चर्चा में हिस्सा लिया। अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप भेदभाव रहित विकास हमारी प्राथमिकता है।

यूपी बोर्ड परिणामों में बेटियों ने फिर बाजी मारी

प्रयागराज (आभा)। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने गुरुवार को यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। परिणामों में हाईस्कूल में 90.42: और इंटर में 80.38: छात्र सफल घोषित किए गए हैं।

हाईस्कूल परीक्षा के टॉपर्स में प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज, शेखपुर बिलौली बाजार, पिहानी (सीतापुर) की कशिश वर्मा (97.83) और द मॉडर्न एकेडमी इंटर कॉलेज, जैदपुर (बाराबंकी) की अंशिका वर्मा (97.83:) रहीं। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपर्स में प्रथम स्थान पर बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज, शेखपुर बिलौली बाजार, पिहानी (सीतापुर) की शिखा वर्मा (97.60:) रहीं। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप बोर्ड परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया नकलविहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने सभी सफल छात्र छात्राओं को बधाई दी है और उनके बेहतर भविष्य की कामना की है। इस बार यूपी बोर्ड ने परीक्षाओं और कॉपियों की चेकिंग के मामले में गजब की तेजी दिखाई है। आपको बता दें कि 10वीं की परीक्षाएं 18 फरवरी से लेकर 12 मार्च के बीच कराई गई थीं। इसके तुरंत बाद, 18 मार्च से 4 अप्रैल के बीच कॉपियों का मूल्यांकन भी पूरा कर लिया गया।

जमीनी विवाद में दबंगों ने मारा पीटा: लालगंज पुलिस पर पीड़ित के विरूद्ध मुकदमें का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को दंबगो द्वारा रंजिशन जान से खत्म कर देने और स्थानीय थाने से मिलकर रामसेवक चौधरी के ही ऊपर गलत तथ्यो के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करा दिये जाने के मामले को लेकर लालगंज थाना क्षेत्र के उमरिया उर्फ अमिलहा के नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मामले की जांच और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने की मांग किया। सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी ब्रजेश पटेल, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी के साथ पीड़ितों ने एसपी से मुलाकात किया और घटना की जानकारी देते हुये प्रभावी कार्यवाही का आग्रह किया।

-सरदार सेना ने एसपी से किया मामले की जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

एसपी को दिये पत्र में लालगंज थाना क्षेत्र के उमरिया उर्फ अमिलहा निवासी रामसेवक चौधरी पुत्र परशुराम चौधरी ने कहा है कि गत 19 अप्रैल को सायं लगभग 8 बजे वह घर से खेत जा रहा था कि गांव में जमीनी विवाद को लेकर नन्दलाल पुत्र स्वर्गीय महावीर, अमित शुक्ल, अर्जेश शुक्ल पुत्रगण कृष्ण मुरारी निवासी कुरमौल, संदीप, पुत्र जगराम, पंकज पुत्र रामकरन निवासी उमरिया उर्फ अमिलहा लोहे की राड, हाकी, पाईप, से जान से खत्म कर देने की नियत से मारने लगे जिससे उसका सिर बुरी तरह से फट गया और शरीर में कई जगहो पर प्राण घातक चोटे आयी। किसी तरह लोगों के मदद से वह बाजार चौबाह चौराहे पर अंगद यादव मेडिकल में प्राथमिक उपचार करवा रहा था तो वहां भी उक्त दबंग पहुंच गये और बुरी तरह से मारने–पीटने के बाद धमकी दिया कि अबकी छोड रहे है अगली बार जान से खत्म कर देगें। होश आने पर उसने स्वास्थय केन्द्र बनकटी पहुंच कर दवा कराया और स्थानीय थाने पर शिकायत लेकर गया तब मुल्जिमानो के प्रभाव में आकार पुलिस की मिली भगत से उसके विरूद्ध ही गंभीर धाराओं में मु०अ० 108–26 धारा 109 (2) 191 (2) 352,351, (3), 131, बी०एन०एस मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पत्र दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया था। हालत काफी गंभीर होने के वजह से उसे जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया, स्थिति गंम्भीर होने की वजह से प्रार्थी मेडिकल कालेज (कैली) बस्ती रेफर कर दिया गया। जहां पर उसकी दवा अभी चल रही है और हालत अभी गम्भीर है। लालगंज पुलिस ने दंबगो के विरूद्ध सामान्य धारा में महज कारगुजारी पूरा करने के लिए मुकदमा अ0सं0109–2026 धारा 115(2),351 (3) बी०एन०एस दर्ज कर दिया गया हैं, ऐसी स्थिति में उसके ऊपर दर्ज मुकदमे की जांच करवाकर निरस्त करने तथा अभियुक्तों के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया जाय।

सरदार सेना के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी ब्रजेश पटेल, जिलाध्यक्ष विनय चौधरी के साथ पीड़ितों ने एसपी से मांग किया कि मामले में पीड़ित को न्याय दिलाया जाय।

एसपी को पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से इन्द्रजीत चौधरी, जामवंत, आनन्द कुमार सिंहानिया, अखिलेश प्रजापति, शहजाद आलम, अभिषेक कुमार, दिनेश, रीतेश चौधरी, अजय, साहिल, राम सेवक, राकेश कुमार, उमेश, शिवपूजन, रमेश, नन्दलाल, रामनाथ, प्रदीप, राजकुमार, संदीप, आनन्द शर्मा, गुड्डू, बालकेश, इन्द्रजीत, अशोक आदि शामिल रहे।

भारत मुक्ति मोर्चा ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर निकाली पद यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक वामन मेश्राम के आवाहन पर 3 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित भारत बंद की कड़ी में मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामऔतार पासवान, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग के जिला प्रभारी राम सुमेर यादव के संयोजन में जिलाधिकारी कार्यालय तक पद यात्रा निकाली गई।

–जातिगत जनगणना में ओबीसी जातियों का कालम जोडा जाय– आर.के. आरतियन

3 सूत्रीय मांगों में केन्द्र सरकार द्वारा कैबिनेट में ओबीसी की जाति आधारित जनगणना का फैसला करने के बावजूद भी जनगणना नोटिफिकेशन में ओबीसी की जातियों कॉलम नहीं दिये जाने, घोषित करने के बाद भी ओबीसी के जाति के कॉलम को ना दिया जाना ओबीसी के साथ धोखेबाजी है। इसलिए इस साल से होने वाली राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी का एवं जाति का कॉलम बढ़ाये जाने, पहले कमजोर यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाना और फिर सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी करके उस पर भी रोक लगवाना एससी–एसटी ओबीसी के साथ धोखेबाजी है। एससी–एसटी ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाकर लागू किया जाए। 2011 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) से मुक्त किये जाने आदि की मांग शामिल है।

मोर्चा के जोन प्रभारी आर.के. आरतियन ने कहा कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि जनगणना नोटिफिकेशन में ओबीसी की जातियों कॉलम जोड़ा जाय। बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि जातिगत जनगणना को सरकार पूरा कराये। कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने के साथ साथ लोकतंत्र पर भी खतरा मड़रा रहा है। सरकार मांगों पर विचार कर समस्याओं का निस्तारण कराये। बुद्धेश राना, अमरजीत आर्य, सरिता भारती, मो. अजीम, वीरेन्द्र, रालमती, सुग्रीव चौधरी, भन्ते प्रज्ञानन्द आदि ने कहा कि सरकार मांगों को गंभीरता से लेकर समाधान कराये।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 अप्रैल 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

तनाव के बीच युद्धविराम

अमेरिका—इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी।

यही नहीं, युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होर्मुज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी।

अमेरिका चाहता था कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है। मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी? क्या ईरान अपनी शर्तों में नरमी लाएगा या फिर अमेरिका अपने रुख में बदलाव लाने पर विचार करेगा? वर्तमान में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के तेवर दिखाए जा रहे हैं, उससे स्थिति सुधरने के बजाय जटिल होती जा रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने युद्धविराम बढ़ाने के एलान के साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान पर हमले तभी तक रुकेंगे रहेंगे, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि समेकित प्रस्ताव तैयार नहीं कर लेते। साथ ही कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस घोषणा के बाद ईरान की ओर से होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले किए गए। इससे पहले अमेरिका की नौसेना ने ईरानी कच्चे तेल को ले जा रहे एक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था।

इस बीच, ईरान ने कहा है कि अमेरिका की ओर से जब तक नाकेबंदी नहीं हटाई जाती है, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। इससे साफ है कि भले ही युद्धविराम काफी हद तक कायम रहे और ईरान तथा अमेरिका बड़े हमले दोबारा शुरू न करें, फिर भी यह तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए रखेगा। सवाल है कि क्या अमेरिका और ईरान की यह जिम्मेदारी नहीं है, जिन देशों का इस युद्ध से सीधा संबंध नहीं है, उन पर इसका कोई प्रभाव न पड़े? दोनों देशों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि वे शांति वार्ता की मेज पर आएं और ईमानदारी से विवाद का स्थायी हल खोजने की कोशिश करें।

आवारा कुत्तों का आतंक

सर्वोच्च न्यायालय के तमाम दिशा—निर्देशों के बावजूद न तो रिहायशी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने पर गंभीरता दिखाई जा रही है और न ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए स्थानीय निकाय ईमानदारी से प्रयास करते नजर आ रहे हैं। नतीजा यह कि कई जगहों पर आज भी नागरिक भय और जोखिम में हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हाल में हुई आवारा कुत्ते के काटने की एक खौफनाक घटना ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक दुल्हन की विदाई के समय बारातघर में घुसे आवारा कुत्ते ने साठ से अधिक लोगों को काट लिया। अचानक हुए इस हमले में वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और इससे कई लोगों को चोटें भी आईं।

हैरत की बात है कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्ते को पकड़ने की कोशिश नहीं की गई। परिणाम यह हुआ कि उसने बारातघर से निकल कर कई राहगीरों और दुकानदारों को भी काटा और फिर एक गांव में मवेशियों पर हमला किया। इस घटना की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सौ से ज्यादा लोगों को रेबीजरोधी टीके लगवाने पड़े।

यह निराशाजनक ही है कि शीर्ष अदालत की कड़ी हिदायत के बाद भी आक्रामक कुत्तों को पकड़ने और उन्हें आश्रय स्थलों पर भेजने की माकूल व्यवस्था नहीं की जा रही है। अगर जिला प्रशासन और नगर निकाय ही अपना दायित्व नहीं निभाएंगे, तो आखिर नागरिक अपनी फरियाद लेकर कहां जाएंगे? बदायूं में हुई घटना से वहां के लोग सहमे हुए हैं और इस बात का खतरा बना हुआ है कि कहीं कोई और कुत्ता इस तरह से आक्रामक न हो जाए।

इसमें दोराय नहीं कि अगर आवारा कुत्ते को समय रहते पकड़ लिया गया होता, तो इतनी बड़ी संख्या में लोग जख्मी नहीं होते। स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि अगर आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल समुचित उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह की लापरवाही के लिए जो भी दोषी हों, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना जरूरी है, क्योंकि यह मसला आम नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा है।

एआई के दौर में स्याही से पिक्सल तक बदलती हिन्दी पत्रकारिता

—अजय कुमार—

हंदी पत्रकारिता का इतिहास गवाह है कि इसने हमेशा समाज की धड़कनों को शब्दों के जरिए कागज पर उतारा है, लेकिन पिछले एक दशक में इस सफर ने जो मोड़ लिया है, वह किसी महाकाव्य के अध्याय बदलने जैसा है। कल तक सुबह के अखबार की दस्तक और चाय की चुस्की के साथ शुरू होने वाला सूचनाओं का सिलसिला अब अंगूठे के एक स्वाइप पर सिमट गया है। प्रिंट मीडिया, जो कभी सत्ता के गलियारों में हलचल पैदा करने का इकलौता जरिया था, आज डिजिटल और वीडियो प्लेटफॉर्म्स की सुनामी के बीच अपनी जमीन बचाने और खुद को नए सांचे में ढालने की जद्दोजहद कर रहा है। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं है, बल्कि यह पत्रकारिता के मिजाज, उसकी भाषा और सबसे महत्वपूर्ण, उसके सरोकारों के बदलने की कहानी है।

जब हम प्रिंट से डिजिटल और फिर यूट्यूब के इस त्रिकोणीय सफर को देखते हैं, तो आंकड़ों की जुबानी इस बदलाव की भयावहता और भव्यता दोनों समझ आती है। एक दौर था जब हिंदी के प्रमुख अखबारों की प्रसार संख्या करोड़ों में हुआ करती थी, लेकिन हालिया वर्षों में शडिजिटल फर्स्टश के मंत्र ने इस समीकरण को उलट दिया है। आज भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 80 करोड़ के पार पहुंच चुकी है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अपनी खबरों के लिए केवल सोशल मीडिया और यूट्यूब पर निर्भर है। प्रिंट के दौर में शडेडलाइनश का एक अनुशासन था। संपादक के पास समय होता था कि वह खबर की तह तक जाए, उसे परखे और फिर पाठकों के सामने परोसे। लेकिन आज के 'ब्रेकिंग न्यूज' और 'वायरल कल्चर' ने उस ठहराव को छीन लिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने खबर की रफ्तार को तो पंख लगा दिए, लेकिन इस रफ्तार में कहीं न कहीं वह गहराई पीछे छूट गई जो कभी हिंदी लेखनी की पहचान हुआ करती थी।

इस संक्रमण काल में सबसे अधिक प्रभावित हुई है पत्रकारिता की भाषा और उसका अर्थशास्त्र। जो हिंदी कभी साहित्यिक मर्यादाओं और व्याकरण की शुचिता से बंधी थी, वह अब शक्लिकश पाने की मजबूरी में हिंग्लिश और बोलचाल की सरलता की ओर झुक गई है। डिजिटल स्क्रीन पर पाठक की एकाग्रता का समय (अटेंशन स्पैन) मात्र 8 से 12 सेकंड रह गया है, इसलिए अब लंबे विश्लेषणों की जगह 'इनफोग्राफिक्स' और 'शॉर्ट्स' ने ले ली है। यूट्यूब जैसे मंचों ने तो पत्रकारिता के व्याकरण को ही उलट दिया है। यहाँ अब 'एंकर' और 'संवाददाता' के बीच की लकीर मिट गई है। हर वह व्यक्ति जिसके पास कैमरा और इंटरनेट है, वह खुद को एक मीडिया संस्थान के रूप में पेश कर रहा है। इससे एक ओर तो मुख्यधारा के मीडिया से छूटे हुए मुद्दे सामने आए हैं, लेकिन दूसरी ओर सतही ज्ञान और सनसनी का एक ऐसा बाजार सज गया है जिसने गंभीर विमर्श को हाशिए पर धकेल दिया है।

अब इस परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रवेश एक नए और चुनौतीपूर्ण युग की आहट है। न्यूजहॉल के भीतर अब एआई केवल डेटा विश्लेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खबरों को लिखने, अनुवाद करने और यहाँ तक कि न्यूज एंकरिंग तक में दखल दे रहा है। एआई ने पत्रकारिता की कार्यक्षमता को तो कई गुना बढ़ा दिया है, लेकिन इसके साथ ही इसने 'मानवीय संवेदना' और 'नैतिकता' पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जब एक मशीन खबर लिखती है, तो वह तथ्यों को जोड़ तो सकती है, लेकिन वह उस मानवीय पीड़ा को शब्द नहीं दे सकती जो एक रिपोर्टर मौके पर महसूस करता है। एआई का सबसे खतरनाक प्रभाव 'डीपफेक' के रूप में सामने आ रहा है, जहाँ 70 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता असली और नकली वीडियो में फर्क नहीं कर पाते। एल्गोरिदम अब यह तय कर रहे हैं कि आप क्या पढ़ेंगे, जिससे समाज में शफिल्टर बबलश बन रहे हैं यानी व्यक्ति केवल अपनी पसंद की कट्टर सोच वाली खबरें ही देख पाता है।

आर्थिक मोर्चे पर भी यह बदलाव किसी भूकंप से कम नहीं है। प्रिंट मीडिया का जो विज्ञापन राजस्व कभी 40 प्रतिशत की दर से बढ़ता था, वह अब सिमटकर डिजिटल दिग्गजों की जेब में जा रहा है। डिजिटल मीडिया में राजस्व का मॉडल अभी भी प्रयोग के दौर से गुजर रहा है। 'पेवॉल' और 'सब्सक्रिप्शन' जैसी कोशिशें हिंदी पट्टी में अभी भी संघर्ष कर रही हैं। नतीजा यह है कि राजस्व के लिए मीडिया घरानों को अब 'स्पॉन्सर्ड कंटेंट' का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे निष्पक्षता की दीवारें कमजोर हुई हैं। यूट्यूब ने एक नए अर्थशास्त्र को जन्म दिया है, जहां श्व्यूजश और श्वॉच टाइमश ही सबसे बड़ी मुद्रा है। जब खबर का महत्व उसकी सामाजिक उपयोगिता से नहीं बल्कि उसके श्वायरलश होने की क्षमता से तय होने लगे, तो यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए खतरे की घंटी है। बावजूद इसके, इस बदलाव ने पत्रकारिता को दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों के वातानुकूलित कमरों से निकालकर छोटे शहरों और कस्बों की गलियों तक पहुँचा दिया है। आज ग्रांउड रिपोर्टिंग का अर्थ केवल बड़े चौनलों की ओबी वैन नहीं, बल्कि एक मोबाइल हाथ में थामे वह निर्भीक पत्रकार भी है जो सत्ता से सीधे सवाल पूछ रहा है। भविष्य की हिंदी पत्रकारिता अब एक शहाइब्रिडश मॉडल की ओर बढ़ रही है। अखबार अब केवल सूचना के वाहक नहीं, बल्कि गहन विश्लेषण के दस्तावेज बन रहे हैं। एआई के दौर में असली चुनौती केवल तकनीक को अपनाने की नहीं है, बल्कि उस शसाखश को बचाने की है जो मशीनी शोर में कहीं दब गई है। हिंदी पत्रकारिता का यह सफर स्याही से पिक्सल और अब एआई तक तो पहुंच गया है, लेकिन इसकी सार्थकता तभी बनी रहेगी जब यह शसत्यश की उस मशाल को जलाए रखेगा जिसे लेकर भारतेन्दु हरिश्चंद्र और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे पुरोधाओं ने इसे शुरू किया था। तकनीक और मशीनें केवल उपकरण हो सकती हैं, पत्रकारिता की आत्मा तो हमेशा मानवीय विवेक और जनसरोकार ही रहेगी।

मायावती का मिशन 2027: सत्ता में वापसी की तैयारी

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। जहां समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव शपीडीएश के नारे के साथ मिशन—2027 का बिगुल फूंक चुके हैं और सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी खामोश लेकिन बेहद मारक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जो पिछले कुछ समय से दो ध्रुवीय होती दिख रही थी, उसे मायावती एक बार फिर त्रिकोणीय बनाने की कवायद में जुट गई हैं। इस बार उनकी रणनीति सिर्फ नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जमीनी स्तर पर डेटा और शसोशल इंजीनियरिंगश के घातक मिश्रण के साथ मैदान में उतर रही हैं। मायावती के लिए यह चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं है, बल्कि पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखने और दलित राजनीति की धुरी को फिर से अपने पाले में लाने की बड़ी चुनौती है। मायावती ने इस बार अपने पत्ते बेहद सावधानी से खोले हैं। उन्होंने 2027 के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में एक नया और तकनीकी मोड़ दिया है, जिसे शएसआईआरश (मतदाता सूची पुनरीक्षण) अभियान से जोड़ा गया है। आम तौर पर पार्टियां चुनाव से ऐन पहले टिकट बांटती हैं, लेकिन बसपा ने पहले ही करीब 40—50 सीटों पर संभावित उम्मीदवारों को हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब इस रणनीति में अचानक बदलाव किया गया है। मायावती ने अब उन नेताओं को तवज्जो देने का फैसला किया है जिन्होंने एसआईआर अभियान के दौरान बूथ स्तर पर सक्रियता दिखाई। पार्टी का मानना है कि चुनाव सिर्फ रैलियों से नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट में अपने समर्थकों के नाम सुरक्षित रखने से जीते जाते हैं। मायावती ने करीब 15 हजार बूथ कमेटियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट का मकसद यह समझना है कि कहां उनके वोट बैंक में सेंध लगी है और कहां साजिश के तहत समर्थकों के नाम काटे गए। जो पदाधिकारी इन कटे हुए नामों को दोबारा जुड़वाने और बूथ को मजबूत करने के मोर्चे पर सफल रहे हैं, उन्हीं की दावेदारी अब टिकट के लिए पुख्ता मानी जाएगी।

बसपा की इस नई रणनीति के केंद्र में वह शसोशल इंजीनियरिंगश है, जिसने 2007 में पार्टी को पूर्ण बहुमत की सरकार तक पहुंचाया था। मायावती एक बार फिर 'दलित—ब्राह्मण—मुस्लिमश गठजोड़ को जीवित करने की कोशिश कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के बदलते सियासी समीकरणों के बीच मायावती यह समझ चुकी हैं कि केवल एक वर्ग के भरोसे सत्ता की कुर्सी तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसीलिए उन्होंने हर विधानसभा सीट पर चार—चार दावेदारों का पैनल तैयार करवाया है। इन दावेदारों को उनकी जातीय पकड़ और स्थानीय समीकरणों के आधार पर परखा जा रहा है।

मायावती ने मंडल और जोनल कोऑर्डिनेटरों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे जातियों के गणित की सटीक रिपोर्ट दें। अगर किसी सीट पर दलित वोटों के साथ मुस्लिम या ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं, तो वहां उसी समाज के मजबूत चेहरे को तलाशा जा रहा है। यह प्रक्रिया काफी गहरी है, जिसमें पहले क्षेत्र प्रभारी बनाया जाता है और फिर उसकी सक्रियता के आधार पर उसे प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

मायावती का दिल्ली से लखनऊ और फिर लखनऊ से दिल्ली का दौरा भी इसी रणनीति का हिस्सा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जहां बसपा का आधार हमेशा से मजबूत रहा है, वहां के समीकरणों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी मायावती ने खुद संभाली है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है कि पार्टी इस बार किसी बड़े दल से गठबंधन के बजाय अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी का मानना है कि गठबंधन से उनके वोट दूसरे दलों को ट्रांसफर हो जाते हैं, लेकिन दूसरे दलों के वोट बसपा को नहीं मिलते। ऐसे में अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजकर रखना और उसमें दूसरे वर्गों को जोड़ना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है। मायावती अब उन बूथों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जहां पिछले चुनावों में बसपा का प्रदर्शन गिरा था। वह खुद जिलों से आने वाली एक—एक रिपोर्ट की समीक्षा कर रही हैं और इस बात पर जोर दे रही हैं कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं, उन्हें दोबारा हर हाल में जुड़वाया जाए।

इस पूरे अभियान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह संदेश है जो मायावती अपने कार्यकर्ताओं को दे रही हैं। वह लगातार बैठकों में इस बात का जिक्र कर रही हैं कि बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करती है। समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच चल रही तकरार के बीच मायावती खुद को एक गंभीर और अनुशासित विकल्प के तौर पर पेश कर रही हैं। वह जानती हैं कि 2027 में सत्ता तक पहुंचने का रास्ता उन छोटी जातियों और समुदायों से होकर गुजरता है जो फिलहाल मुख्यधारा की राजनीति में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि उनके टिकट वितरण में इस बार जातियों की केमिस्ट्री पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है। एसआईआर अभियान से हुए नफे—नुकसान का आकलन कर उम्मीदवारों के चयन की यह पद्धति उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया प्रयोग है, जो यह दर्शाता है कि मायावती अब पुरानी शैली को आधुनिक चुनावी प्रबंधन के साथ जोड़ रही हैं।

हालांकि, राह इतनी आसान भी नहीं है। उत्तर प्रदेश में दलित वोटों के लिए भाजपा और सपा दोनों ने ही बड़ी सेंधमारी की है। चंद्रशेखर आजाद जैसे नए युवा चेहरों ने भी दलित राजनीति में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में मायावती का पुराना शसोशल इंजीनियरिंगश फॉर्मूला कितना कारगर होगा, यह बड़ा सवाल है। लेकिन मायावती का इतिहास रहा है कि वह जब भी खामोश होती हैं, तो किसी बड़े सियासी धमाके की तैयारी में होती हैं। उनके पास अपना एक समर्पित कैडर है जो आज भी उनके एक इशारे पर लामबंद हो जाता है। 2007 के करिश्मे को 2027 में दोहराने के लिए उन्होंने संगठन के ढांचे में बड़े बदलाव किए हैं और नए चेहरों को मौका दिया जा रहा है। ब्राह्मण और मुस्लिम उम्मीदवारों को बड़े पैमाने पर मैदान में उतारने की तैयारी यह संकेत देती है कि बसपा इस बार किसी भी हाल में चुनावी मुकाबले को दोतरफा नहीं होने देगी।

बहरहाल, 2027 का चुनाव बसपा के लिए करो या मरो की स्थिति जैसा है। मायावती की यह सूक्ष्म रणनीति, जिसमें बूथ लेवल की रिपोर्टिंग से लेकर जातीय समीकरणों का जटिल जाल बुना गया है, विपक्षी खेमों में हलचल पैदा करने के लिए काफी है। क्या मायावती फिर से वही पुराना जादू चला पाएंगी? क्या एसआईआर अभियान के जरिए तैयार की गई उम्मीदवारों की नई फौज बसपा की नैया पार लगा पाएगी? ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब आने वाले समय की रैलियों और चुनावी माहौल में मिलेगा। फिलहाल तो हाथी अपनी मदमस्त चाल से अपनी मंजिल की ओर बढ़ता दिख रहा है, और मायावती की सोशल इंजीनियरिंग एक बार फिर यूपी की सियासत का सबसे चर्चित अध्याय बनने की ओर अग्रसर है। लखनऊ से लेकर दिल्ली तक जो बैठकों का दौर चल रहा है, उसका एक ही लक्ष्य है सत्ता के शिखर पर बसपा का दोबारा परचम लहराना।

रील, व्लॉग और बकवास

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

आज के समय में अगर कोई सबसे तेजी से फैलने वाली चीज है, तो वह है "बकवास"। फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर "रील" और "व्लॉग" के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है। एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे, आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं। पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं। पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं। यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे— धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहाँ शोर तो बहुत है, लेकिन सार बिल्कुल नहीं।

रील और व्लॉग, जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे, आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं, जहाँ गुणवत्ता नहीं, बल्कि "वायरल" होना सबसे बड़ा लक्ष्य है। इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है। जितना ज्यादा विचित्र, जितना ज्यादा सनसनीखेज, उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता। ऐसे में गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे—धीरे हाशिए पर चले जाते हैं।

युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज "कंटेंट क्रिएटर" बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं। कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है, और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है, जहाँ दिखावा ही असली पहचान बन चुका है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है। जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही "अपडेटेड" माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि यह अपडेट नहीं, बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है।

आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है, लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है। यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं, वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है।

यह समस्या केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। लगातार छोटे—छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है। गहराई से सोचने, पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। सब कुछ जल्दी चाहिएकृजल्दी मनोरंजन, जल्दी प्रसिद्धि और जल्दी सफलता।

व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई हैकृदूसरों की नकल। मौलिकता की जगह कॉपी—पेस्ट ने ले ली है। कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है। इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है। बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है।

समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं। हर छोटी—बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है, चाहे वह निजी हो या संवेदनशील। यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहाँ "बकवास" एक उद्योग बन चुकी है। इसमें समय भी लग रहा है, पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है। लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि, जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है। जब तक हम इसे केवल "मनोरंजन" कहकर नजर अंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है।

पेट्रोल–डीजल की कमी पर अधिवक्ताओं ने उठाई आवाज, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में पेट्रोल, डीजल व गैस की कमी को लेकर अधिवक्ताओं ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। अधिवक्ता युगल किशोर शुक्ल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।ज्ञापन में बताया गया कि जिले में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में शादी–विवाह, मुंडन जैसे मांगलिक कार्यक्रमों का सीजन चल रहा है, ऐसे में ईंधन की कमी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिवक्ताओं ने मांग की कि सभी पेट्रोल पंपों व गैस एजेंसियों पर ईंधन की नियमित व पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही डीजल, पेट्रोल व गैस की कालाबाजारी पर सख्त रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पुलिस निगरानी की व्यवस्था की जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इसके अतिरिक्त अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता, लेखपाल, शिक्षक सहित आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों के लिए आईडी के आधार पर अलग लाइन की व्यवस्था करने की मांग भी रखी। इस दौरान वीरेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव, दिनेश चौरसिया, प्रिंस जायसवाल, रूपक श्रीवास्तव, मो. यासीन, अनश शाह, अमित कुमार पाण्डेय, दीपक त्रिपाठी, आशीष शुक्ला सहित कई लोग मौजूद रहे।

सहालग के चलते क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती मांग ने आम लोगों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। गुरुवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब लाल चौराहे स्थित नगर के एकमात्र भारत पेट्रोल पंप पर दोपहर 11 बजे के बाद ही पेट्रोल पूरी तरह समाप्त हो गया।

इंटर में भावना यादव 91.60: के साथ टॉपर, बेटियों–बेटों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित होते ही बलरामपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। इस वर्ष मेधावी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी। खास बात यह रही कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट परिणाम देकर सबको प्रेरित किया। इंटरमीडिएट में सिटी मॉन्टेसरी इंटर कॉलेज की भावना यादव ने 91.60: प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर श्री राम तीर्थ कन्या इंटर कॉलेज के अमरजीत रहे। जिन्होंने 91.20: हासिल किए। तीसरे स्थान पर एचआरए इंटर कॉलेज के मोहम्मद रेहान ने 90.80: प्राप्त किए। चौथे स्थान पर एजी हाशमी इंटर कॉलेज के धर्मेंद्र 90.20: के साथ रहे। पांचवें स्थान पर स्कॉलर्स एकेडमी इंटर कॉलेज की नैन्सी त्रिपाठी 88.80: और छठे स्थान पर माही वर्मा 88.60:) रहीं। सातवें स्थान पर डॉ. बीआरए इंटर कॉलेज की सृष्टि सिंह 88.00: अंक पाकर रहीं। आठवें स्थान पर तुलसीपुर सिटी मॉन्टेसरी इंटर कॉलेज की ज्योति मिश्रा ने 438 अंक (87. 60:) प्राप्त किए। नौवें स्थान पर एजी हाशमी इंटर कॉलेज के विजय गुप्ता 87.40: और दसवें स्थान पर एचआरए इंटर कॉलेज की तबस्सुम बानो 87. 20: प्राप्त की। परिणाम घोषित होते ही विद्यालयों में मिठाइयां बांटी गईं और छात्रों का उत्साह देखने लायक रहा। शिक्षकों ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

गिट्टी लदे ट्रेलर ने बाइक को रौंदा, पति–पत्नी और मासूम बच्ची की मौत

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज में गुरुवार को एक बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के बलुअही धूस चौराहे के पास एक गिट्टी लदे तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार पति–पत्नी व पांच साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। यह परिवार कोठीभार थाना क्षेत्र के भारत खंड पकड़ी का रहने वाला था और ये इलाज मे सिलसिले में घर से परतावल के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद कोहराम मच गया है। भारत खंड पकड़ी निवासी सलेहा खातून (25) पत्नी नौसाद, नौसाद खान (28) पुत्र भुलई और सहजादी (5) पुत्री नौसाद इलाज के सिलसिले में बाइक से घर से परतावल के लिए निकले। इसी दौरान सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के बलुअही धूस चौराहे के पास स्थित एक ईंट भट्ठे के समीप उनकी बाइक को गिट्टी (पत्थर) से लदे तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही सिन्दुरिया थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह, चौकी इंचार्ज चिउटहां अमित रंजन सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया गया है तथा वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस कार्रवाई में जुटी है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई थी। लोग आक्रोशित हो गए थे। पुलिस की सूझबूझ से स्थिति सामान्य हुई।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मृत्यु हो गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे वाली गाड़ी व चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

जनगणना–2027 का प्रशिक्षण शुरूः 7 मई से नागरिक कर सकेंगे अपनी स्वगणना ऑनलाइन

संवाददाता–बलरामपुर। भारत की जनगणना–2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रथम चरण श्मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणनाश के लिए जनपद की तीनों तहसीलों में प्रगणकों और सुपरवाइजरों के लिए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस बार नागरिक 7 मई से 21 मई 2026 तक श्स्वगणनाश के माध्यम से अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

सीएमएस इंटर कॉलेज, बलरामपुर में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने पहले दिन उपस्थित प्रगणकों और सुपरवाइजर्स को जनगणना के महत्व, प्रक्रिया और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह देश की विकास योजनाओं की मजबूत नींव है। उन्होंने इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इस जनगणना में श्स्वगणनाश की नई सुविधा भी शुरू की गई है। यह सुविधा 7 मई से 21 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी, जिससे नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने सभी कार्मिकों को इस सुविधा के प्रति आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना प्रपत्रों की बारीकियां, डेटा संग्रहण की आधुनिक तकनीक, डिजिटल उपकरणों का उपयोग और सत्यापन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। अभ्यास सत्रों के माध्यम से उनकी समझ का परीक्षण भी किया गया, ताकि फील्ड कार्य के दौरान कोई समस्या न हो।

प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी प्रगणकों और सुपरवाइजर्स को उनके नजदीकी क्षेत्रों में ही कार्यक्षेत्र आवंटित किया जाए, ताकि कार्य समय पर और सुचारू रूप से पूरा हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विभिन्न बैचों में आयोजित किया जा रहा है। तहसील उतरौला और तुलसीपुर के प्रशिक्षणार्थी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर एसडीएम बलरामपुर हेमंत गुप्ता सहित अन्य अधिकारी, प्रशिक्षकगण और जनगणना से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे।

38,318 छात्र पास, 88.82 प्रतिशत रहा जिले का रिजल्ट, टॉप टेन में 18 बच्चों ने बनाई जगह

संवाददाता–गोंडा। जिले में वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 45,626 परीक्षार्थियों में से 38,318 छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। जिले के 151 परीक्षा केंद्रों पर कुल 43,141 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। पिछले पांच वर्षों के इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों पर गौर करें तो, वर्ष 2025 में गोंडा में 45,789 परीक्षार्थियों में से 43,174 बच्चों ने परीक्षा पास की थी, तब परिणाम 79.83 प्रतिशत रहा था।

इसी तरह, वर्ष 2024 में 41,138 छात्रों में से 35,466 उत्तीर्ण हुए थे, जिसका परिणाम 87.25 प्रतिशत था। वर्ष 2023 में 41,397 परीक्षार्थियों में से 29,277 सफल रहे थे, और परिणाम 72.44 प्रतिशत था। वर्ष 2022 में 34,666 छात्रों में से 28,704 ने परीक्षा पास की थी, तब परिणाम 89.26 प्रतिशत रहा था। कोविड काल के दौरान, वर्ष 2021 में बिना परीक्षा दिए ही जिले के 38,834 इंटरमीडिएट छात्रों को उत्तीर्ण किया गया था। हालांकि, यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में गोंडा जिले के किसी भी परीक्षार्थी ने राज्य की टॉप–10 सूची में जगह नहीं बनाई है। पिछली बार गोंडा के कई छात्रों ने टॉप–10 में स्थान हासिल किया था। इंटरमीडिएट के जिला टॉपर की सूची में 18 बच्चों ने स्थान हासिल किया है। कोमल वर्मा 500 में से 464 नंबर प्राप्त करके 92.80 अंक हासिल करके जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है यह किसान इंटर कॉलेज पिपरा स्माइल गोंडा में पढ़ती हैं। आराधना सिंह ने जिले में दूसरा स्थान हासिल करके 500 में से 463 अंक हासिल करके 92.60 प्रतिशत अंक हासिल किया है यह सुभाष इंटर कॉलेज उमरी बेगमगंज गोंडा में पढ़ती थी। अभिषेक तिवारी ने जिले में तीसरा स्थान हासिल करके 500 में से 462 अंक प्राप्त करके 92. 40 अंक हासिल किया है यह अवध बाल इंटर कॉलेज मोहन गोंडा में पढ़ते थे। आस्था सोनी ने गोंडा जिले में चौथा स्थान हासिल किया है इनको इंटरमीडिएट में 500 में से 461 नंबर मिला है 92.20 अंक प्राप्त किया है यह किसान इंटर कॉलेज पिपरा

इस्माइल गोंडा में पढ़ती हैं। रितिक शुक्ला ने भी जिले में चौथा स्थान हासिल करके 500 में से 461 अंक प्राप्त किया है 92.20 प्रतिशत अंक मिला है यह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर गोंडा में पढ़ते है। अंकित यादव ने जिले में पांचवा स्थान हासिल किया है इनको 500 में से 456 नंबर मिला है 91.20 प्रतिशत अंक हासिल किया है यह ज्ञानदीप अकादमी सकदरपुर बभनान में पढ़ते थे। प्रियांशी यादव ने जिले में छठवाँ स्थान हासिल करके 500 में से 455 अंक हासिल किया है 91 प्रतिशत इनको अंक मिला है बैलुद्दीन इंटर कॉलेज तेजपुर भोपतपुर में यह पढ़ाई करती थी। प्रिंस कुमार ने भी जिले में छठवा स्थान हासिल करके 500 में से 455 अंक हासिल करके 91 प्रतिशत अंक हासिल किया है यह राम लखन शुक्ला स्मारक इंटर कॉलेज बखरौली छपिया गोंडा में पढ़ते थे। हर्षित मिश्रा ने 500 में से 454 नंबर हासिल करके 90.80 प्रतिशत अंक हासिल किया है जिले में सातवाँ स्थान हासिल किया है यह श्रीदयानंद वैदिक आचार्य इंटर कॉलेज वजीरगंज गोंडा में पढ़ते थे। संगीता वर्मा ने जिले में सातवां स्थान हासिल करके 500 में से 454 नंबर हासिल करके 90.80 प्रतिशत अंक हासिल किया है यह ए पी सी इंटर कॉलेज दौलतपुर ग्रांट गोंडा में पढ़ती थी। सार्थक मिश्रा ने 500 में से 453 अंक हासिल करके 90.7 प्रतिशत अंक हासिल करके जिले में आठवां स्थान हासिल किया है यह श्री दयानंद आचार्य वैदिक इंटर कॉलेज वजीरगंज में पढ़ते थे। नमन मिश्रा ने भी 500 में से 453 अंक हासिल करके 90.7 प्रतिशत अंक हासिल किया है जिले में आठवां स्थान हासिल किया है यह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज इटियाथोक गोंडा में पढ़ते थे। शगुन शुक्ला भी इसी विद्यालय में पढ़ती थी इंटरमीडिएट की परीक्षा में 500 में से 453 अंक हासिल करके 90.60 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में आठवां स्थान हासिल किया है। रिशु तिवारी ने 500 में से 452 नंबर हासिल करके 90.40 प्रतिशत नंबर हासिल किया है यह फखरुद्दीन अली अहमद राजकीय इंटर कॉलेज गोंडा में पढ़ती थी इनका 9वां स्थान पूरे जिले में मिला है। सूरज मौर्या ने भी 500 में से 452 अंक हासिल करके 90.40 प्रतिशत अंक हासिल करके जिले में 9वां स्थान हासिल किया है यह सत्येंद्र नाथ शुक्ला कुमार इंटर कॉलेज छपिया में पढ़ते थे। सना नूरी ने भी 500 में से 451 नंबर हासिल करके 90.20 अंक प्राप्त किया है यह किसान इंटर कॉलेज की पढ़ाई स्माइल गोंडा में पढ़ती थी इनका जिले में दसवां स्थान हासिल हुआ है। आकाश पांडे को भी 500 में से 451 नंबर हासिल हुआ है 90.20 प्रतिशत अंक मिला है यह जनता इंटर कॉलेज कौड़िया बाजार गोंडा गोंडा में पढ़ती थी इनका जिले में दसवीं रैंक मिली है। अफजान अहमद ने भी 500 में से 451 नंबर हासिल करके 90.20 प्रतिशत अंक हासिल किया है यह हरि कृष्ण ओझा इंटर कॉलेज परसा गोण्डरी गोंडा में पढ़ते थे।

किसानों–मजदूरों की मांगों पर संगठनों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। गुरुवार को विभिन्न किसान और मजदूर संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। संगठनों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बिजली बिल, फसल नुकसान और श्रमिक आंदोलनों पर कार्रवाई जैसे कई प्रमुख मुद्दे उठाए गए। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में हुए श्रमिक आंदोलनों पर की गई कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। उन्होंने मांग की कि गिरफ्तार किए गए श्रमिकों और ट्रेड यूनियन नेताओं को तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं। किसानों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। ज्ञापन में बताया गया कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। संगठनों ने प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने और सरकारी खरीद प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता तथा प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की। इसके अतिरिक्त, आलू उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान करने और सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप निर्धारित करने की भी मांग रखी गई। संगठनों ने बिजली संशोधन बिल 2025 को वापस लेने, स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने और शिक्षा के निजीकरण पर भी गंभीर सवाल उठाए। स्थानीय समस्याओं का जिक्र करते हुए, देवरिया–बरहज मार्ग पर बेलदार रोड के क्षतिग्रस्त हिस्सों की तत्काल मरम्मत की मांग की गई।

बोतल में नहीं मिला पेट्रोल तो बाइक की टंकी ही लेकर पहुंच गया युवक

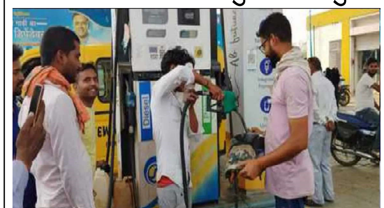

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज में पेट्रोल–डीजल की किल्लत ने लोगों को परेशान कर दिया है। गुरुवार को एक अजब नजारा तब दिखा जब पेट्रोल मिलने की सूचना पर युवक बाइक की बजाय उसकी टंकी लेकर पहुंच गया। इस युवक को बोतल में तेल नहीं मिला था और बाइक में पेट्रोल न होने की वजह से वह टंकी ही लेकर पहुंच गया था। इस नजारे को देखकर हर कोई हैरान था। बताया जा रहा है कि बीच रास्ते में बाइक का पेट्रोल खत्म होने और ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर तेल न मिलने की सूचना से युवक परेशान हो गया था। उसे पता चला कि शिकारपुर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल मिल रहा है तो वह अपनी बाइक छोड़कर सीधा उसकी टंकी ही खोल लाया। यह भी बताया गया कि बोतल में पेट्रोल नहीं मिलेगा। बस फिर क्या था? देरी न करते हुए उसने बाइक की टंकी अलग की और उसे लेकर सीधे पंप पर पहुंच गया। पंप पर मौजूद लोगों ने जब यह नजारा देखा तो कुछ देर के लिए सबकी नजरें उसी पर टिक गईं। कोई हंस पड़ा तो कोई हैरानी में पड़ गया।बोतल में पेट्रोल न मिलने व पंपों के ड्राई होने से परेशानीइस समय बाइक में कम ही तेल रह रहा है। लोगों का कहना है कि अक्सर रास्ते में ही बाइक का तेल खत्म हो जा रहा है और तमाम पंप ड्राई रह रहे हैं। इस बीच बोतलों में तेल न मिलने का निर्देश है, जिससे टंकी खोलकर ही पंप पर पहुंचना पड़ेगा, ताकि प्रमाण दिया जा सके कि बाइक में तेल नहीं है। शिकारपुर सिंह ऑटो ट्रेडर्स के प्रबंधक मेहीलाल अग्रहरी ने बताया कि बोतल में तेल न देने का आदेश बहुत पहले से है, पर इध ार पेट्रोल–डीजल की किल्लत ने लोगो को परेशान कर रखा है।

अयोध्या एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र सुमित तिवारी ने जेईई मेन में पाई सफलता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र सुमित तिवारी ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस 2026 सेशन–2 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया है। सुमित ने कुल 96.64 पर्सेंटाइल प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की।जारी परिणाम के अनुसार सुमित ने गणित, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान तीनों विषयों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों में खुशी की लहर है।विद्यालय के प्रबंधक श्री प्रदीप तिवारी जी एवं शिक्षकों ने सुमित को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सुमित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों और नियमित मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।सुमित की इस उपलब्धि से अयोध या एकेडमी के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। विद्यालय की प्रध ानाचार्या श्रीमती सौम्या अचारी ने बताया कि विद्यालय हमेशा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कंठी चद्दर तिलक देकर के संतो महंतों ने अमित कुमार दास को वेदांती कुटिया का महंत बनाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में लक्ष्मण घाट स्थित श्री राम जानकी मंदिर वेदांती कुटिया में आध्यात्मिक गरिमा से परिपूर्ण आयोजन के मध्य अमित कुमार दास को आश्रम का महंत नियुक्त किया गया। यह अवसर आश्रम के पूर्व महंत बाबूलाल दास महाराज के साकेत गमन उपरांत सम्पन्न तेरहवीं संस्कार का था, जहां वैष्णव सनातन परंपरा के अनुरूप संत–महंतों की उपस्थिति में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण किलाधीश महंत मैथिलीरमण शरण महाराज ने की। उनके सान्निध्य में अयोध्या के अनेक संतों व महंतों ने विधिवत कंठी, चद्दर और तिलक प्रदान कर अमित कुमार दास को वेदांती कुटिया का उत्तरदायित्व सौंपा।महंत पद ग्रहण करने के उपरांत अमित कुमार दास ने उपस्थित संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कहा कि वे मंदिर की परंपराओं तथा सनातन वैष्णव संस्कृति का पूर्ण निष्ठा से पालन करेंगे। उन्होंने ठाकुर जी की भोग–राग सेवा के साथ पूर्वाचार्यों द्वारा स्थापित उत्सवों एवं सवैयों की परंपरा को निरंतर बनाए रखने तथा सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार हेतु आश्रम के विकास का संकल्प व्यक्त किया।अध्यक्षीय उद्बोधन में महंत मैथिलीरमण शरण महाराज ने कहा कि पूर्व महंत बाबूलाल दास महाराज ने अपनी वसीयत में अमित कुमार दास को उनकी सेवा–निष्ठा से प्रसन्न होकर उत्तराधिकारी के रूप में स्वीकार किया था। आज वैष्णव परंपरा के अनुरूप संत समाज ने उस निर्णय को विधि ावत मान्यता प्रदान की है।इस अवसर पर श्री हनुमत निवास पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज ने भी कहा कि अमित कुमार दास ने अपने गुरु की निरंतर सेवा कर यह सम्मान प्राप्त किया है, जो आगे चलकर ठाकुर जी की सेवा में समर्पित रहेगा।समारोह में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्री राम वल्लभा कुंज के अधि ाकारी राजकुमार दास, महंत राम प्रिया शरण, महंत रामकुमार दास, महंत रामायणी रामशरण दास, महंत रामलोचन शरण राजन बाबा, महंत शशिकांत दास, महंत अवध किशोर शरण सहित सैकड़ों संत–महंतों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।पूरे आयोजन में भक्ति, परंपरा और आस्था का अद्वितीय संगम देखने को मिला, जिसने अयोध या की आध्यात्मिक विरासत को एक बार पुनः जीवंत कर दिया।

गैस, पेट्रोल–डीजल किल्लत पर सपा कार्यकर्ताओं का सड़क पर प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की किल्लत तथा कथित कालाबाजारी के विरोध में गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। समाजवादी अंबेडकर वाहिनी, बलरामपुर के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने विनय चौराहे से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला और जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में लापता डीजल, लापता गैस सिलेंडर और लापता पेट्रोल लिखे कट–आउट थे, जो प्रशासन के प्रति उनकी नाराजगी दर्शा रहे थे। मार्च के दौरान कालाबाजारी बंद करो और आम जनता को राहत दो जैसे नारे लगाए गए।

जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन एडीएम (न्यायिक) को सौंपा। ज्ञापन में जिले में ईंधन और गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

इस अवसर पर गैसड़ी विधायक राकेश कुमार यादव ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस दौरान प्रदर्शन में मनीष सोनकर, परशुराम वर्मा, गणेश प्रसाद यादव, ओंकार नाथ पटेल, संजय यादव, इकबाल जावेद फ्लावर, विनय वर्मा, अरविंद चौधरी, विशाल श्रीवास्तव, वसीम खान और शैलेंद्र यादव सहित कई सपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीएम ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

संवाददाता–बहराइच। होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और संबंधित अधि ाकारियों को परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से तारा महिला इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराई जाए। उन्होंने किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था न होने देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने और संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने को कहा गया।

गौ रक्षक फोर्स फाउंडेशन का कार्यालय उद्घाटन

संवाददाता–महराजगंज। गौवंश की रक्षा और सेवा को नई दिशा देने के उद्देश्य से गौ रक्षक फोर्स फाउंडेशन और जिला अध्यक्ष सूरज चौधरी के गौ सेवा संस्थान ने संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में बुधवार को नगर के रामेश्वर होटल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। गौ रक्षक फोर्स फाउंडेशन के जिला कार्यालय, शास्त्री नगर, वार्ड नं 22 द्वारा आयोजित इस बैठक में जिले के प्रत्येक ब्लॉक में गौ सेवा का विस्तार करने की रणनीति तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि गौ रक्षक को कर्मवीर नाम से जाना जय3गाका उपयोग करते हुए हर ब्लॉक स्तर पर गौ सेवा के लिए टीमें गठित की जाएंगी। बैठक में सीओ श्रीकांत शुक्ला ने उपस्थित सभी सदस्यों को सम्मानित किया। इस अवसर पर नीतीश पटेल, डॉ. सुनील कुमार, श्याम देव, गोपाल, शैलेश, श्रीकांत, उमेश, मोतीचंद्र, श्रीमती रीना देवी (मिठौरा), मोहिनी, अजय कुमार, गौतम कर्मवीर, राजकपूर, सोनू और शिवशरण सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन के पदाधि ाकारियों ने बताया कि अजय कुमार, गौतम कर्मवीर और राजकपूर के नेतृत्व में कर्मवीर नाम सेवा संस्थान पहले से ही ब्लॉक स्तर पर सक्रिय है। अब सोनू और शिवशरण जैसे युवा कार्यकर्ताओं के जुड़ने से गौ सेवा अभियान को और गति मिलेगी। इन दोनों को क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र–छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी बस्ती में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2026 का परीक्षा परिणाम विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया।

हाईस्कूल परीक्षा में छात्रा श्रेया राव ने 90 फीसद अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा खुशनुमा खातून एवं अर्पिता गुप्ता ने 88–88, रूद्र प्रताप साक्षी एवं युवराज कसौधन ने 87.8–87.8, अनामिका ने 87, अनुराग कुमार एवं विनित कुमार ने 84–84, अभि यादव एवं सुमित बारी ने 83–83, खुशी भारती ने 82.9, अंशिका एवं बाबी देवल ने 82–82 अंक प्राप्त किए।

वहीं इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग में अभिनय गुप्ता ने 89.3फीसद अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुष अग्रहरी ने 84, रवि प्रकाश मौर्या, आनन्द एवं हिमांशु गुप्ता ने 83–83, अमृता गुप्ता ने 82.2, शाहिल ने 80.6, वर्षा ने 80.2, अरविन्द यादव ने 80.1 तथा अमन पटेल ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

विद्यालय के प्रबन्धक धीरेन्द्र शुक्ल, प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ल, प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह सहित शिक्षको बसन्त कुमार गुप्ता, श्रवण कुमार चौधरी, स्तुति मिश्रा, आंचल सिंह, संतोष सिंह, विनोद वर्मा, आलोक त्रिपाठी, गुलाब राव आदि ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश मेरिट में अयोध्या की 3 छात्राओं ने बनाई जगह, आराध्या और अंबिका ने किया जिला टॉप

संवाददाता–अयोध्या। यूपी बोर्ड हाईस्कूल परिणाम में इस बार तीन छात्राओं ने प्रदेश स्तर की मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा आराध्या जायसवाल ने 600 में से 578 अंक हासिल कर प्रदेश में 9वीं रैंक प्राप्त की। वहीं, एमएस नाज इंटर कॉलेज, सुचितागंज सोहावल की छात्रा अंबिका कसौधन ने 600 में से 577 अंक लाकर 10वीं रैंक हासिल की। कैनोसा इंटर कॉलेज की प्राची पांडे ने भी 96. 17 प्रतिशत अंक लाकर 10वां स्थान प्राप्त किया है।

सीएम योगी ने किया गोरखपुर का इको पार्क का उद्घाटन, बोले– नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां पहले मीथेन गैस निकलती थी वहां आज बच्चों के खेलने के लिए पार्क है। लोग योगासन और ध्यान कर सकते हैं। यह बताता है कि जब नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को इको पार्क और एकला बांध सड़क के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने 1055 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि कुछ करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। पहले बहुत भद्दा लगता था। लखनऊ, वाराणसी की तरफ प्रवेश करते हुए सबसे पहले कचरा ही दिखता था। आज से 35 वर्ष पहले ट्रांसपोर्ट नगर में शहर का सारा कचरा डंप होता था। वह बहुत भद्दा लगता था। वहां सफाई हुई और आज वहां ट्रांसपोर्ट नगर है। गोरखपुर की मंडी है। उसके बाद यह कचरा आकर एकला बंधे पर गिरने लगा था। गंदगी के साथ हवा में बदबू और जमीन में जहर हो गया था। इसकी वजह से नीचे गंदगी होती थी और एनजीटी जुर्माना लगाता था। इससे भूजल भी प्रभावित होता था। आज यहां एक आधुनिक पार्क बन गया है। यह केवल पार्क नहीं पिकनिक स्पॉट बन गया है। यहां लोग परिवार के साथ बैठ सकते थे। यह बदलाव गोरखपुर में हर तरफ देखने को मिल रहा है। गोरखपुर वाराणसी मार्ग को जोड़ने के लिए तीन किलोमीटर लंबी फोरलेन की कनेक्टिविटी भी मिल रही है। इस मार्ग से लखनऊ, बांसगांव, कौड़ीराम तक जा सकते है। गोरखपुर में पिछले नौ वर्ष में जो कार्य प्रारंभ हुए यह

उसी का परिणाम है। हमें स्कूली बच्चों को आरआरआर के बारे में बताना पड़ेगा। वेस्ट टू आर्ट के बारे में बताना पड़ेगा। पार्क में कचरे से बने आर्ट लगाए गए हैं। क्विज और रील प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। आज जो भी यूपी में आता है उसको सुरक्षा के साथ बदलाव देखने को मिलता है। स्मार्ट के साथ सेफ सिटी भी हो। उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगमों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाया है।

सीएम ग्रिड के तहत स्मार्ट सड़कें बन रही हैं। हर वार्ड में एंड–टू–एंड पेविंग , ग्रीन बेल्ट और मिनी फॉरेस्ट का काम हो रहा है। खुली नालियों को बेहतरीन तरीके से ढकने का काम किया जा रहा है। गोरखपुर नगर में जहां पहले पानी भरता था वहां आज बेहतर नालियां हैं। अंधेरा था वहां आज स्ट्रीट लाइटें हैं। जहां पहले हवा में बदबू थी आज स्वच्छ वातावरण में लोग मॉर्निंग वॉक कर सकते हैं। आज शुद्ध पेयजल की उपलब्धता है। इस बंधे पर जो एनर्जी खर्च होगी वह रिन्यूएबल है। यहां सोलर पैनल लगाए गए हैं। सिटी फॉरेस्ट से क्षेत्र में हरियाली होगी और प्रदूषण कम होगा।

इसी को लेकर प्रदेश के सभी नगर निगमों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। पहले गोरखपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। पहले गोरखपुर के लोग स्वास्थ्य शिक्षा के लिए बाहर जाते थे। आज गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं।

आस्था बनीं गोरखपुर इंटर टॉपर, 92.80 अंकों के साथ किया जिले में पहला स्थान हासिल

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणाम में गोरखपुर जिले के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जारी टॉप–10 सूची के अनुसार आस्था ने 464 500 अंक (92.80:) हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और स्कूल में खुशी का माहौल है। दूसरे स्थान पर सुप्रिया शर्मा रहीं, जिन्होंने 462 अंक (92.40:) प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर निखिल मद्धेशिया ने 457 अंक (91.40:) हासिल किए। चौथे स्थान पर अंशिका मौर्य (456 अंक, 91.20:) और पांचवें स्थान पर जावेद अली (450 अंक, 90.00:) रहे। छठे स्थान पर तौफीक अंसारी (448 अंक, 89.60:) ने जगह बनाई, जबकि सातवें स्थान पर अनुराग पांडेय और आयुष पांडेय ने संयुक्त रूप से 447 अंक (89.40:) हासिल किए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– T 2017140316784
धारा 116 उ0प्र0रा0सं–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला बस्ती

बदरूद्दीन आदि
बनाम
नूरूहुदा

1. समसुल हुदा पुत्र समसुदोहा 2. नाजिमा खातून पत्नी समसुदोहा 3. बदरूज्जमा पुत्र समसुदोहा 4. शवाना पुत्री समसुदोहा 5. निजामुद्दीन मो0 शरीफ 6. फिरोज पुत्र समसुद्दीन 7. कमरूद्दीन पुत्र मो0 शरीफ 8. सायदा खातून पुत्री समसुद्दीन 9. अफसाना पत्नी कमरूद्दीन निवासीगण महथा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फ़ैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 420 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) स्थान–सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

रामनरायन आदि
बनाम
कुसुमलता आदि

1. कुसुमलता उम्र करीब 60 वर्ष पत्नी मनोज कुमार उर्फ मनगे निवासी ग्राम कठेला गर्वी तप्पा बारिकपार पोस्ट कठेला परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 2. सत्य नरायन पुत्र सन्तू उर्फ सन्त निवासी ग्राम कठेला गर्वी तप्पा बारिकपार पोस्ट कठेला परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम खजुरिया गर्वी पोस्ट ढेकहरी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–05–2026

राम नरायन आदि प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध दावा इम्तनाई के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 12–05–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 22.04. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 536 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

संजय कुमार दूबे
बनाम
संतोष कुमार दूबे आदि

1. संतोष कुमार दूबे उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र इन्द्रदेव उर्फ चन्द्रभूषण दूबे 2. सुशीला उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी इन्द्रदेव उर्फ चन्द्रभूषण दूबे 3. मन्तोष दूबे उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र इन्द्रदेव उर्फ चन्द्रभूषण दूबे साकिन बर्डपुर नं–10 तप्पा घोष टोला देउरा थाना मोहाना जिला–सिद्धार्थ नगर

–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

4. जलालूद्दीन पुत्र साबिर अली 5. विश्वनाथ पुत्र गया साकिन बर्डपुर नं09 तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थ नगर

–प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 18–05–2026

राम नरायन आदि प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध दावा इम्तनाई के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 18–05–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 21.04. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /24
धारा 30
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

निहालुद्दीन
बनाम
सलमा खातून आदि

1. सलमा खातून पत्नी अब्दुलवारी 2. मु0 मुस्तकीम पुत्र असगर अली 3. तुफेर अहमद पुत्र शाह मो0 4. नसीर अहमद पुत्र शाह मो0 5. शकील अहमद पुत्र शाह मो0 6. समी मो0 पुत्र शाहब अली 7. अब्दुल हबीब पुत्र सहिजाद उर्फ जाकिर अली 8. करम हुसेन पुत्र सहिजाद उर्फ जाकिर अली 9. फिदा हुसेन पुत्र सहिजाद उर्फ जाकिर अली ग्राम मल्हवार तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फ़ैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–232 / 24
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला बस्ती

देवानन्द आदि
बनाम
रामनाथ आदि

1. गोपाल तिवारी पुत्र रामनाथ 2. चन्द्र प्रकाश पुत्र आत्माराम दूबे 3. अजय तिवारी पुत्र रामनाथ 4. राम मिलन तिवारी पुत्र रामनाथ तिवारी 5. सूर्य प्रकाश पुत्र आत्माराम दूबे 6. भवानी प्रसाद पुत्र स्वामीनाथ 7. कपूरमती पत्नी राममिलन 8. बालकृष्ण पुत्र हनुमान 9. पवन कुमार पुत्र हनुमान 10. सुनीता पत्नी अनरूद्ध पाण्डेय पुत्री हनुमान पाण्डेय 11. साधूसरन पुत्र शिवनरायन 12. रामजी पुत्र शिव प्रसाद 13. सियावन पुत्र शिव नरायन निवासीगण ग्राम बेलगड़ी तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फ़ैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 421 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) स्थान–सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

रामनरायन आदि
बनाम
जमुरता देवी आदि

1. जमुरता देवी बालिग पत्नी विजय बहादुर निवासिनी ग्राम कठेला गर्वी तप्पा बारिकपार पोस्ट कठेला परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 2. सत्य नरायन पुत्र सन्तू उर्फ सन्त निवासी ग्राम कठेला गर्वी तप्पा बारिकपार पोस्ट कठेला परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर हाल मुकाम खजुरिया गर्वी पोस्ट ढेकहरी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–05–2026

राम नरायन आदि प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध दावा इम्तनाई के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 12–05–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 22.04. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2026–43 दिनांक 22.04.2026

ई–निविदा सूचना :–

निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें दिनांक 13.05.2026 को मण्डी परिषद एवं P.W.D, R.E.D,U.P.R.N.N. तथा UPPCL विभाग में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ एवं अनुभवी ठेकेदारों से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। आमंत्रित ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनांक 13.05.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे खोली जायेगी। टेण्डर डोक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 13.05.2026 की अपरान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना, नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्यालय में तथा उ०प्र० सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी, पढी व डाउनलोड की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः–

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत 05 वर्ष अनुरक्षण लागत सहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि माह में	निविदा की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		जनपद सिद्धार्थनगर के क्षेत्रान्तर्गत					
110	शोहरतगढ़	मण्डी समिति शोहरतगढ़ के क्षेत्रान्तर्गत हाटपैठ जोगीबारी मे (6x20) 02 नग छायादार नीलामी चबूतरा, गेट एवं गेटपिलर, शौचायल, इण्टरलॉकिंग गेट एर्व गेट पिलर, इण्टरलॉकिंग टाइल्स, मिट्टी भराई, नाली का निर्माण कार्य। 2026_RKUMP_1140303	41.28	4.15	7400.00	6 माह	स

नोटः–

1– धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकःमु०अभि०–2/ (1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांकः 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश / निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोडकर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्घात्मक दरें प्राप्त करने के उद्द्देश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी०ए० द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

2– उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्मे भी प्रतिभाग कर सकती है।

3– उपरोक्त तालिका में अंकित अ एवं 'ब' श्रेणी से सम्बन्धित कार्यों हेतु PWD, R.E.D, U.P.R.N.N तथा UPPCL विभाग में सामान्य श्रेणी अर्थात अ एवं 'ब' श्रेणी के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ही निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकते है।

उप निदेशक (निर्माण)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर

पत्रांक 123/न0पा0परि0सि0न0/2026–27 दिनांकः–21.04.2026

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में नगरीय झील/ तालाब/पोखर संरक्षण योजनान्तर्गत धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले पम्प अधिष्ठान/पाईप लाईन विस्तार कार्यो हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित किया जाता है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध है, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	22/04/2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	22/04/2026 अपराहनः11:00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	12/05/2026 अपराहनः04:00 बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	13/05/2026 प्रातः 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	14/05/2026 प्रातः 11:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर।

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com